Downloaded From: http://www.cbseportal.com

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015
अंक योजना हिन्दी 'केन्द्रिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 2/1
2/2
2/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
				खंड – 'क'	
1	1 क	1 क	1 क	विज्ञापन/विज्ञापन! मानव–जीवन की अनिवार्यता/ विज्ञापन की भूमिका/विज्ञापन का महत्व (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)।	15 1
	ख	ख	ख	• सर्व साधारणार्थ सूचना का प्रकाशन। • आवश्यक वस्तुओं को प्रस्तुत करने का माध्यम।	2
	ग	ग	ग	• वस्तु निर्माता • उत्पादक व उपभोक्ता को जोड़ना • माँग व पूर्ति में संतुलन–स्थापना	2
	घ	घ	घ	• वस्तु की गुणवत्ता से परिचय व आवश्यक वस्तुओं की प्रस्तुति। • उत्पादक व उपभोक्ता में संपर्क व माँग और पूर्ति में संतुलन बनाना।	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ङ	ङ	ङ	• मौखिक • संचार–माध्यमों ने गति दी है।	2
	च	च	च	• अच्छी व खराब वस्तु गुणवत्ता के आधार पर स्पष्ट। अतः विज्ञापन निरर्थक।	2
	छ	छ	छ	• भाग–दौड़ की ज़िंदगी में अच्छी वस्तुओं का परिचय संभव। • यथा–कॉलगेट टूथपेस्ट व अन्य उदाहरण स्वीकार्य (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकारें)	2
	ज	ज	ज	• अनिवार्य = अ/नि उपसर्ग • य प्रत्यय • वास्तविकता = इक/ता प्रत्यय (एक उपसर्ग, एक प्रत्यय का उल्लेख)	1
	झ	झ	झ	जो वस्तुओं और सेवाओं को खरीदता है, वह उपभोक्ता कहलाता है।	1
2	2 क	1 क	2 क	आँधी – विपत्तियाँ, रुकावटें बादल – दुखः, पीड़ा परिणाम – निराशा, भय, आत्मविश्वास का अभाव	1×5=5 1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ख	ख	ख	परिवर्तन ही विकास का मूल आशावादिता और परस्पर स्नेह की वृद्धि।	1
	ग	ग	ग	विपरीत परिस्थितियों के कारण खुशियों का न आ पाना।	1
	घ	घ	घ	आशा के साथ खुशियों की प्रेरणा व निर्माण के लिए ऊर्जा व आत्मविश्वास प्रदान करना।	1
	ङ	ङ	ङ	निराशा व दुखों की सघनता	1
				खंड – 'ख'	
3	3	3	3	किसी एक विषय पर निबंध • भूमिका/प्रस्तावना 1 • विषय–वस्तु का विस्तार 3 • भाषा–शैली एवं उपसंहार 1	5
4	4	4	4	पत्र लेखन :– • आरंभ एवं अंत (प्रारूप) 2 • प्रभावी विषय–वस्तु 2 • भाषा एवं अभिव्यक्ति 1	5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
5	5	6	5		1×5=5
	क	क –	क –	किसी समाचार संगठन के लिए निश्चित मानदेय पर काम करने वाले	1
	ख	ख	ख	सनसनी, चकाचौंध या ग्लैमर फैलाने वाली पत्रकारिता	1
	ग	ग	ग	जन समूह के साथ यांत्रिक माध्यम से संवाद स्थापित करना	1
	घ	घ	घ	1936 ई. में । प्रसार–भारती	1
	ड.	ड.	ड.	फीचर के दो लक्षण – (i) मनोरंजन पूर्ण समाचार (ii) मार्मिकता, रोचकता (iii) भावी संभावनाएँ व शिक्षा (अन्य कोई उपयुक्त बिन्दु)	1
6	6	5	6	आलेख :– विषयवस्तु 2 प्रभावी प्रस्तुति 2 भाषा 1	5
7	7	7	7	विषयवस्तु 2 प्रभावी अभिव्यक्ति 2 भाषा 1	5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
				खंड – 'ग'	
8	8 क	9 क	8 क	**काव्यांश पर आधारित प्रश्न** भीषण अकाल की स्थिति में मज़दूर, किसान, व्यापारी, भिखारी, भाट, नौकर–चाकर सभी काम के अभाव में भुखमरी के शिकार हैं। शासन के पास अकाल के समाधान बेरोज़गारी का कोई चारा नहीं है।	**2×4=8** 2
	ख	ख	ख	दीनबंधु राम का क्योंकि वे कृपालु हैं।	2
	ग	ग	ग	दरिद्रता से क्योंकि सभी उससे त्रस्त हैं।	2
	घ	घ	घ	संकट में प्रभु राम की कृपा से मुक्ति संभव है।	2
	अथवा	अथवा	अथवा	अथवा	
	क	क	क	सहज व सरल ढंग से बात को कहना तथा भाव को उपयुक्त शब्दों में व्यक्त करना न कि शब्दों के जाल व चमत्कार में फँसना।	2
	ख	ख	ख	मन में उठे भाव शब्दों के द्वारा व्यक्त होते हैं। यानी बात को व्यक्त करने का माध्यम भाषा है। दोनों अन्योन्याश्रित है।	2
	ग	ग	ग	अपनी बात को सजाने–सँवारने या प्रभावी बनाने के लिए जब शब्दों के जाल में फँसते हैं।	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	घ	घ	घ	सरल–सीधी बात को प्रभावशाली बनाने के लिए जटिल भाषा व अंलकारिता का सहारा लिया जाए तो बात और भी जटिल और अस्पष्ट हो जाती है।	2
9	9 क	8 क	9 क	**काव्यांश पर आधारित प्रश्न** प्रभु राम के विलाप से वानर–समूह का व्याकुल होना तथा हनुमान के आगमन से शोकाकुल वातावरण में उत्साह का संचार होना।	**2×3=6** 2
	ख	ख	ख	अनुप्रास – (i) प्रभु प्रलाप – 'प' वर्ण की आवृत्ति तथा वानर निकर – 'र' वर्ण की आवृत्ति (कोई एक) (ii) उत्प्रेक्षा – 'आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ वीर रस।' जैसे करुना में वीर रस का संचार होता है वैसे ही मानो हनुमान के आने पर शोकाकुल वातावरण में उत्साह का संचार हो गया।	2
	ग	ग	ग	(i) अवधी भाषा व अलंकारों का सहज एवं सरल प्रयोग (ii) तत्सम शब्दावली	2
	अथवा	अथवा	अथवा	अथवा	
	क	क	क	शिल्प सौन्दर्य – मानवीकरण, अनुप्रास अलंकार, स्वर मैत्री, प्रतीकात्मक भाषा, छन्द मुक्त	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
				काव्यांश, दृश्य बिम्ब, 'हिल–मिल, खिल–खिल' पदों के प्रयोग से सजीवता व प्रभावोत्पादकता। (किन्हीं दो का उल्लेख)	
	ख	ख	ख	भाव सौन्दर्य – क्रांति के स्वर से सर्वहारा वर्ग प्रसन्न होता है। उसे सर्वहारा वर्ग हाथ हिला–हिलाकर बार–बार बुलाता है क्योंकि वे उनके लिए सुख व समुद्धि के सूचक हैं।	2
	ग	ग	ग	भाषा–शैली– (i) प्रतीकात्मक भाषा–पंक (निम्न वर्ग) जलज (धनिक वर्ग) व संस्कृत निष्ठ शब्दावली का प्रयोग (ii) मानवीकरण व अनुप्रास अलंकारों का सहज प्रयोग व छन्द मुक्त काव्यांश।	2
10	10 क	–	–	**दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** चैनल को बिकाऊ एवं प्रसिद्ध बनाने के लिए अपाहिज से बेतुके प्रश्न पूछ कर संवेदनहीनता का परिचय देते हैं। यथा – आप क्या अपाहिज़ हैं। क्यों अपाहिज़ हैं ? अपाहिज़पन दुख देता है ? अपाहिज होकर कैसा लगता है ? इत्यादि।	**3+3=6** 2+1=3
	ख			कपास से। कपास – हल्की, मुलायम एवं आकर्षक होती है, उसी प्रकार बच्चे भी होते हैं। सतत गतिशील और गिरने पर भी चोट से बचते हैं।	1½+1½=3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ग			कृषि कर्म एवं कवि कर्म में काफ़ी समानता होती है। जिस प्रकार खेत में बीज बो कर जल व रसायन का प्रयोग कर फ़सल उगाते हैं, उसी प्रकार कागज़ के पन्ने पर भाव के बीज बो कर कल्पना से एक सुंदर रचना निर्मित होती है।	3
	–	10 क	–	क्योंकि कवि की प्रतीक्षा करने वाला उसके घर पर कोई नहीं था और उसके मन में यह भाव था कि वह किसके लिए अपनी गति बढ़ाएं।	3
	–	ख	–	क्योंकि अंधकार में कवि उसे देख न सके और उसे भूल जाए क्योंकि प्रियपात्र की अत्यधिक निकटता उससे सहन नहीं हो पा रही है।	3
	–	ग	–	धूत–अवधूत, राजपूत, जुलाहा जैसे शब्दों से ज्ञात होता है कि तुलसी के समय में जाति व्यवस्था के कारण भेद–भाव चरम पर था जिस दबाव को तुलसी को भी झेलना पड़ा है, उसकी परवाह किए बिना कहते हैं कि वे अपने बेटे का ब्याह किसी की बेटी से नहीं करना चाहते हैं।	3
	–	–	10 क	इसमें प्रेम की व्याकुलता का चित्रण है। प्रिय जनों से मिलने की आतुरता के कारण पक्षियों व अन्य लोगों में गति की तीव्रता दिखने लगती है किंतु कवि के पाँव शिथिल पड़ने लगते हैं क्योंकि उसकी प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं है। प्रेम के कारण ही जीवन में गति का संचार	3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
				होता है।	
	–	–	ख	खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद बच्चे और निडर हो जाते हैं। उनका आत्म विश्वास बढ़ जाता है। वे सूरज की सुनहली धूप से भी आगे बढ़ने का बल पा लेते हैं।	3
			ग	कविता में अपने–पराए का भेद नहीं होता। कविता सभी के सुख–दुख को व्यक्त करती है। कविता सर्व जन हिताय होती है।	3
11	11 क	11 क	11 क	**गद्यांश पर आधारित प्रश्न** • भक्तिन अनपढ़ होते हुए भी व्यावहारिकता में निपुण थी। • लेखिका के परिचितों और साहित्यिक बंधुओं का सम्मान लेखिका के प्रति उनके सम्मान भाव के अनुसार करती थीं।	2×4=8 2
	ख	ख	ख	भक्तिन कवियों को बेकार समझती है, वे कुछ भी करते नहीं बल्कि गलियों में गाते–फिरते हैं।	2
	ग	ग	ग	आदेश न मानना। लम्बे बाल, अस्त–व्यस्त वेशभूषा वाले कवियों के प्रति। वह यह कहकर कि वो भी कविता लिखना जानते हैं।/ वे बेकार में गली–गली गाते–बजाते फिरते हैं–यह कह कर।	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	घ	घ	घ	लेखिका के प्रति कवियों की सद्भाव की मात्रा देखकर भक्तिन भी उतनी मात्रा में सद्भाव व्यक्त करती है।	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	**अथवा** शिरीष के फल समय रहते झड़ते नहीं बल्कि अधिकार लिप्सा से चिपके रहते हैं, उसी प्रकार बड़े–बूढ़े नेता नए युवकों को आगे आने नहीं देते। यही अधिकार लिप्सा लेखक को याद आती है।	2
	ख	ख	ख	वे समझते हैं कि जहाँ हैं, वहीं बने रहें तो काल–देवता से बच जाएंगे। उन्हें समझना है कि हिलते–डुलते व स्थान बदलने से कुछ समय बचा जा सकता है, जमे कि मरे।	2
	ग	ग	ग	जरा–मृत्यु जीवन के अति प्रमाणिक सत्य हैं। अतः जो जन्मा, उसकी मौत निश्चित है और मृत्यु के बाद उसे भुला दिया जाता है।	2
	घ	घ	घ	संसार में सभी नश्वर हैं। यमराज अपना काम निरंतर कर रहे हैं। बूढ़े व कमज़ोर प्रतिदिन मौत का शिकार हो रहे हैं।	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
12				**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	**3×4=12**
	क			जो शास्त्र बाज़ार के बाज़ारूपन को, कपट को, लोभ–लालच को, प्रदर्शन को बढ़ावा देता है, वह अर्थशास्त्र नहीं बल्कि अनीति शास्त्र है। उदाहरण : स्मार्ट फोन देखकर दूसरों को खरीदने की इच्छा प्रबल होना। इत्यादि। (कोई उपयुक्त उदाहरण)	3
	ख			लेखिका महादेवी ने। उसके हाव–भाव, वेशभूषा, मुँड़ा हुआ सिर, गले में माला इत्यादि देखकर।	3
	ग			• क्योंकि सफ़िया ने सिख बीवी में माँ का अक्स देखा, नमक लाने का वचन दिया, उसका भावनात्मक मूल्य अधिक हो गया था। • नमक लाने में पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी व अमृतसर में खड़े कस्टम अधिकारी सुनील दास गुप्त का।	2+1=3
	घ			जैसे अवधूत सुख–दुख में समाान रूप से प्रसन्न रहता है, भयंकर परिस्थितियों में जीवन रस बनाए रखता है, वैसे ही शिरीष गर्मी, लू–लपट में सरस रहता है। दोनों के समान गुण होने के कारण।	1+1+1=3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	ङ			चार्ली ने करुणा में हास्य का सामंजस्य बनाया, अपने हैरत अंगेज़ कारनामों से बच्चों को हँसाया, स्वयं को हँसी का पात्र बनना सिखाया इत्यादि।	1+1+1=3
		12 क		• ढोल उसका गुरु, बीमारों को आवाज़ से संजीवनी देने वाला, लोगों में जिजीविषा पैदा करने वाला। • अपने दारुण दुख को उसकी आवाज़ में भूल जाने का प्रयास।	2+1=3
		ख		बचपन में पिता का अलगाव। माँ परित्यक्ता व दूसरे दर्जे की अभिनेत्री। भयंकर अभावों में संघर्ष करना। पूँजीपतियों व सामन्तों द्वारा दुत्कारना इत्यादि परिस्थितियों के कारण व्यक्तित्व सम्पन्न हुआ।	3
		ग		दोनों देशों की जनता का आपसी नातों व रिश्तों में जुड़े रहना, उनमें दया, सहयोग, शांति का भाव रहना, एक दूसरे के धर्म, सम्प्रदाय व परंपराओं का सम्मान करना इत्यादि।	1+1+1=3
		घ		गांधी जी मारकाट, खून–खच्चर जैसी हिंसात्मक स्थितियों में दृढ़ व स्थिर बने रहे और जीने के लिए रस खींचते रहे, जैसे कि शिरीष भीषण गर्मी, लू–लपट जैसे वातावरण से रस खींच कर हरा–भरा रहता है।	1½+1½=3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
		ड.		स्वतंत्रता, समता एवं भ्रातृत्व पर आधारित आदर्श समाज के परिवर्तन का लाभ सभी को मिले। समाज में सबका सब कार्यों में समभाग होना चाहिए और सब में परस्पर भाई–चारा हो।	1+1+1=3
			12 क	लेखिका के पेड़ पैसे छिपाकर रख लेना, उसे चोरी न मान कर तर्क शिरो मणि की तरह शास्त्रार्थ की चुनौती देना, शास्त्रीय बातों की व्याख्या अपने अनुसार करना, देहाती खाना खिलाना इत्यादि।	1+1+1=3
			ख	लोग आँख खोल कर चलें व बाज़ार से आकर्षित न हों और न ही बाज़ार का तिरस्कार करें। बाज़ार के फैलाए जाल में न फँसें न ही शोषण होने दें, आवश्यकता की वस्तुएँ क्रय करें ताकि अशांति भी न हो।	1+1+1=3
			ग	पानी फेंकने से इन्द्र देवता प्रसन्न होते हैं व वर्षा करते हैं। कुछ पाने के लिए कुछ दान व त्याग करना पड़ता है। किसान 5–6 सेर अनाज बोकर 30–40 मन अनाज पैदा करते हैं। यह पानी की बरबादी नहीं बल्कि बुआई है।	1+1+1=3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

<table>
<tr><th rowspan="2">प्रश्न सं.</th><th colspan="3">प्रश्न पत्र गुच्छ सं.</th><th rowspan="2">उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु</th><th rowspan="2">निर्धारित अंक विभाजन</th></tr>
<tr><th>2/1</th><th>2/2</th><th>2/3</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>घ</td><td>आधुनिक तकनीकी युग में लोक कलाओं का स्थान तकनीकी व्यवस्था ने ले लिया। जैसे कुश्ती की जगह घुड़सवारी ने व अन्य पुराने खेलों की जगह क्रिकेट, वॉलीबाल, फुटबॉल व अन्य यांत्रिकी खेलों ने ले लिया है। पुनर्जीवन के लिए समाज को परम्पराओं से जोड़ना होगा, परम्पराओं के महत्व को दर्शाना होगा, लोगों की रुचि पारम्परिक खेलों के प्रति जागृत करनी होगी इत्यादि।
(अन्य बिंदु समग्र उत्तर पर अंक)</td><td>3</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>ड.</td><td>राज कपूर द्वारा बनाई गई 'आवारा' फिल्म को चार्ली का भारतीयकरण कहा है क्योंकि इसमें नायक को अपने पर हँसाया है। बाद में दिलीपकुमार, देवानंद, शम्मी कपूर, अमिताभ, श्रीदेवी ने चार्ली का अनुकरण किया। स्वयं पर हँसने की परंपरा को आगे बढ़ाया। कभी–कभी गाँधी जी भी स्वयं पर हँसते हैं।</td><td>3</td></tr>
<tr><td>13</td><td>13
क</td><td>13
क</td><td>13
क</td><td>• पुराने विचारों एवं किशन दा के मानकों पर खरा व्यक्तित्व
• सरल, सीधी–सादी जीवनशैली के पक्षधर,
• नवीनता की ओर आकर्षण का अभाव इत्यादि।
• नई पीढ़ी परम्पराओं, रिश्तों–नातों धर्म, सामाजिकता के निर्वाह को व्यर्थ समझती है।
• वह प्रगति करना चाहती है।</td><td>5</td></tr>
</table>

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
				• आत्म केंद्रित रहकर आधुनिकता को ग्रहण करना चाहती है। बड़ों को मान नहीं, कुतर्क करती है। (अन्य बिंदु संभव)	
14	14 क	14 क	14 क	हमारे पूर्वज 5000 वर्ष पूर्व विकसित सभ्यता व संस्कृति के आधार पर भारत में निवास करते थे। मुअनजोदड़ो के खंडहर उस सभ्यता व संस्कृति, रहन–सहन व्यवस्था, जल–संस्कृति, जल निकासी, भवन निर्माण कला, शहर स्थापना, व्यवसाय, कला इत्यादि का परिचय देते हैं। (अन्य बिंदु संभव)	5
	ख	ख	ख	• विकट परिस्थितियों, भीषण संकटों, बाधाओं में भी धैर्य, सहनशीलता, लगन, रुचि, हिम्मत, संधर्षरत रहने की बलवती इच्छा, लक्ष्य प्राप्ति का श्रम, तीव्र लालसा इत्यादि। • पिता पग–पग पर बाधा बनता है पर उसके जीवन मूल्य उसे आगे बढ़ने से रोक नहीं पाते। • साथी मज़ाक बनाते पर धुन का पक्का होने के कारण अन्ततोगत्वा सफल होता है। (अन्य बिंदु संभव)	5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com